मराठी

स्तोत्र

क्र.नं.२५

द.का.

श्रीकृष्णस्तोत्र

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळें.
—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—
ग्रंथ क्रमांक ६१९ । ३६ (६५५)
ग्रंथ नाम श्रीकृष्ण स्तोत्र
विषय स्तो. स्तु. भूपाळ्या

नामावळी (1)

स्तुती स्तोत्र

॥श्रीपंचगुरुभ्यो नमः॥ ॐ॥ श्रीजगनाथजगताधिश्वरा॥
तुज नमो॥ आदिपुरुषा॥ अमहां उद्यापकाजगाग्निवा
सा॥ ऋषीकेश्वरा इंद्रसुरा॥ १॥ जयजयाजी जगपाकृपा
॥ कृपासींधू जगनायेका॥ भवानंदकंदा मोसदायका॥
केलेन स्वकोजगतत्री॥ २॥ जयजयाजी अनंतनयना:
॥ अनंतपानी अनंतचेरणा॥ अनंतवदना आनंतगुना
अनंतलोचना अनामिका॥ ३॥ जयजयाजी भीसंगसं
गा॥ मनीभयखंडना चेतन्यरंगा॥ मायातीता पांडुरं
गा॥ आनंगानंगा परमेश्वरा॥ ४॥ जयजयाजी परम
कल्याणा॥ परमपावना मोक्षनीधाना॥ अमृतदानी गाजी
वनेवीना॥ भयभंजना दीनबंधू॥ ५॥ जीभुवनगर्भ

(2)

वनगर्भु ॥ जवनातिनानिजैवकविभु ॥ चैतन्यचाळकामा
यारंभु ॥ कैवल्यअध्ययंभुसदपानु ॥ ६ ॥ ॐ ॥ जयजय
जीपुराणपुरुषा ॥ द्वैतविदारमणा ॥ जगन्निवासा ॥ चिन्म
यचरपामाव्याचेत्रा ॥ व्ययंप्रकाशा जगद्गुरु ॥ ७ ॥ जय
जयाजीअलक्षलक्षा जगत्साक्षिना कर्मसाक्षा ॥ बाह्यभ्या
न्तरसर्वद्रष्टा ॥ दानवरिपुराकान्तकृतु ॥ ८ ॥ जयजयजी
पद्मनाभा ॥ पद्मनेनाचेवदन्यअगम्या ॥ विनाद्धरगे ॥ निर्गुणमायाव
लमास्फारलोकभानवतु ॥ ९ ॥ जयजयजीवैकुंठपतीज
ना ॥ कृतांतदमनामधुसुदना ॥ मोयाघोरविपीनदहना ॥
जगत्पाळनाजगद्धुंध ॥ १० ॥ जयजयजीगुणसागरा ॥ हुंदुभि
त्रोत्कष्ट्राणसंहारा ॥ मातृकमगनीअंतकपुरा ॥ विश्वांजना

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(२०)

श्रीविश्वेशा: ॥ ११ ॥ जय २ जीउर्द्ध भंजनका ॥ नानघकारीपीस्ट
नायांतका ॥ प्रसूत्रोस्टमदभेदका ॥ जगोद्धारकादीनबंधु
॥ १२ ॥ जय २ त्रिभुवनसुंदरा ॥ कलशोद्भवारीगर्भविहारा
॥ श्यमेवक्रोस्टवनरीधेना ॥ भी आत्मातीनाविलासिया: ॥
१३ जय २ त्रिपनमभद्रा ॥ श्वयांविहारीकंचनभद्रा ॥ स्नूज
समुद्रानुभोगींद्रा ॥ बैसोनि भद्रा सिद्ध्याकरी ॥ १४ ॥ जय २
त्रिविक्रमचरीता ॥ अर्कस्यानीरीविलासालत्तिता ॥ विज्ञा
नरंगायमूदचनीता ॥ नुत्यअनंतानंदविसा ॥ १५ ॥ जय २ त्रि
नेत्राचिंदा ॥ पद्मनाभाकेवल्यकंदा ॥ भोगोदयश्रीब्रह्मपां
दा ॥ बाळमुकुंदाविनाशसा ॥ १६ ॥ छ: ॥ जय २ त्रिपुरुषोत्त
मा ॥ भवागिनश्रमावस्यहमा ॥ ब्रह्मानंदापनधामा ॥ आत्म

याना मापनमेशा ॥ १७ ॥ जय २ श्रीपनमानंदा ॥ मोक्षनिधाना
कैवल्यकंदा ॥ शंखचक्रपद्मगदा ॥ पानी गोविंदा चिनाजनी
॥ १८ ॥ जय २ जितदैत्यदलना ॥ ऋषिसुनक्रोऽरू प्राणजीवना ॥ वि
श्वधीरूदेवतार्चना ॥ जगपालना जगद्बंधु ॥ १९ ॥ जय २ श्री
जगमोहना ॥ सर्वसंचरदेह्याहरणी ॥ कानुज्ञापती प्राणजी
वना ॥ कैवल्यानीनमना जगद्गुरु ॥ २० ॥ जय २ श्री कवमाच
का ॥ मखरक्ष्याल्हड्यानी बाणका ॥ मानक्रजगनी प्रानंतका ॥
नक्रनक्षका दृश्यापाप ॥ २१ ॥ जय २ श्री जलजलोचना
मोक्ष ॥ पयाब्धीगर्भनिधाना दनुजसमहोधीपती दहना ॥ जगद्गु
षना जगत्प्रभु ॥ २२ ॥ जय २ जितभवभवबंधना ॥ भवप्राणसो
ख्याचिश्रामधामी ॥ भवनसुंदराय मंजानमना ॥ भक्तप्रभुषेना

Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the ... Chavan Pratishthan, Mumbai

(3A)

जगद्गुरुवरा ॥ २३ ॥ जय २ जि रवंजरीव असा ॥ आत्माभ्यांतनसर्व
द्रष्टा ॥ जंतुघिहाना कर्मसाक्ष्या ॥ दनुजसोक्ष्याध्यानवर्तनु ॥ २
४ ॥ जय २ जीगदोषना ॥ त्रिगुणआंतकामाणोश्वना ॥ दुंदुभि
द्रास्वकवसोधना ॥ सर्वकिनीधनाउजगत्पती ॥ २५ ॥ जय २ जी
तमाळनीळा ॥ भोधुनधारीवतुसाचळा ॥ भक्तनक्षकादा
त्रापाळा ॥ श्रीगोपाळाविनाजसा ॥ २६ ॥ ०: ॥ जय २ जि सम्म
नापाना ॥ मायारंगाजगमोहना ॥ पक्षचलुसीचंडप्रद्याना ॥ भ
चे भैव भंजनाजगत्पती ॥ २७ ॥ जय २ जिनोर्विकाना ॥ अमहृश्व
चटपाआगोचना ॥ मायापतीपरेव्यापना ॥ निराकानानीरा
मया ॥ २८ ॥ जय २ जिवैवल्यगर्भा ॥ भुवनसंदनापद्मनाभ
॥ चैतन्येचाळकामुळारंभा ॥ श्यामलीप्रमानवप्रभु ॥ २९ ॥

(५)

जय २ जि मुरुरुमर्दना ॥ कनककशीनगोद्धारणा ॥ नीर्जनपती
दर्पदळना ॥ जन्नेनंदनाजगताती ॥ ३० ॥ जय २ जि श्रामसुंदना
॥ कूकूनपाळकादेवकीकुमना ॥ द्वानकापतीदयासागना: ॥
नक्षिदातानामजलागी ॥ ३१ ॥ ६ ॥ जय २ जि दुनीनदमना
॥ श्रीमानीतकाप्रद्योतना ॥ भाभा नंगविश्वमोहना ॥ अचीनं
दनाजगद्गुरु ॥ ३२ ॥ जय २ जि दिगांबना ॥ ज्ञानमुर्त्तिदयासा
गना ॥ अन्नेदानीकेअरुणा [illegible]ना ॥ विश्वांभनाप्रि विश्वेश्रा
॥ ३३ ॥ जय २ जि श्रिदत्ताकिनरा ॥ महानाजापनमपुरुषा ॥:
अव्यंगमुर्त्तिअविनाशा ॥ जगद्गुरुजगत्पती ॥ ३४ ॥ जय २
जि नीनांजना ॥ ब्रम्हश्चरुपाकैवल्यनमना ॥ निर्गुणासाक्षी
पनीपुर्णा ॥ भवभंजनागादसाकुवा ॥ ३५ ॥ जय २ जि अलमयारा

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

मा॥ध्यानंदकंदापनमेधामा॥अलक्ष्यलक्ष्यानीनोपमा॥पुरुष
श्रेष्ठोमाश्रिपनेत्रा॥३५॥:७॥जय२जिपतीतपावना॥माया
नंगाअघनाशना॥जगोद्धारकश्रेष्ठपापघ्ना॥अश्रीनंदना
जगद्गुरुश्रेष्ठ॥३६॥जय२जिपनुमानंदा॥ब्रह्मश्रेष्ठपाकैवल्यकं
दा॥लिप्लाकश्रेष्ठपिाडंतुद्वंदापच्चकोयपदारसमर्पिसा॥३७॥ज
य२जिपनमपविश्रा॥सतश्रीवनिक्रनीमीश्रा॥चोद्धूर्यमूर्त्ति
याश्रेष्ठगाश्रा॥ध्यभुध्यतंत्रा॥जगतानी॥३८॥जय२जिविक्रमचरी
ना॥सडगुणसंपन्नविनाडवंना॥उदानवर्यादुरांतदमीना॥तुच
अनंताविनाजसा॥४०॥जय२जिवमनियश्रेष्ठपा॥दयासींधुमाए
यापा॥मजलानारीतुश्रेष्ठश्रेष्ठपा॥वश्रेष्ठपिहेपादीनबंधू॥४१॥७:
॥जय२जिसस्मनाणना॥सस्मनअश्याअघभंजना॥कूमोदपानी

...Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(5)

जगमोहना॥ भवभेदना भुवने शा॥ ४२॥ जय २ जिके वल्यगर्भा॥:
ची हर्षनं गाडी पद्मनाभा॥ चैतन्य चाळका सुखानंभा॥ श्वमेव श्व
यंभा प्रकाससी॥ ४३॥ जय २ जि अनंतनैना॥ अनंद चिहाना अनं
दसमना॥ जगद्धामियो सालिवैना॥ अष्टानंदना जगद्गुरुरे॥ ४४॥
जय २ जि चाक्षगात्रा॥ कुमोदनेत्रा अनंदमात्रा॥ ब्रह्मांडधामी पु
नैत पात्रा॥ च्यि भूष्यनं त्रा दयासिंधु॥ ४५॥ जय २ जि निनामया
॥ चारासु मुनिने लामया॥ आमाघ चरीत विवोधा चित्या॥:
कर्माध्यामिया नुचियत्न॥ ४६॥ जय २ जि कुंज विहारी:
॥ कनक कल्हरी गिरिवर धारी॥ प्रमुद ललित गोपनीत री॥ चरीत
नीतरीना जचिसी॥ ४७॥ जय २ जि अनंतनैना॥ अनंतपानी अ
नंत चेर्णा॥ अनंतरूपा अनंत वदना॥ आनंत गुणा आनंताजु

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

नामावळी

(5A)

स्तुती स्तोत्र

॥४८॥ जय २ जिअघनाशना ॥ अनंदकंदामनरंजना ॥ दुष्टीनदमना भवभंजना ॥ कर्रुणाघना दयाळुवा ॥४९॥ जय २ जिनि-
र्विकाना ॥ सच्चिदानंदापनाशना ॥ ब्रम्हरुपा अरुपा निराकारा ॥ चैत्र
पासागरा जगद्गुरु ॥५०॥ जय २ जिअनंददायका ॥ अगनीत
ब्रम्हांड चक्रचाळका ॥ विश्वहर्ता जगव्यापका ॥ मन्मथजनका
कुबुद्धीदुरा ॥५१॥ ॥६॥ जय २ जिब्रम्हसनपुराणा ॥ श्चानंदकंदानुप
रीपुर्णा ॥ निर्गुणसाक्षीनिरंजना ॥ रुपदाघना श्रीसमर्था ॥५२॥
जय २ जिब्रम्हांडव्यापका ॥ मायाचे चक्र नभ्याचाळका ॥ पुर्णब्र
म्हतुजगतानचका ॥ भक्तरक्षका जगद्गुरु ॥५३॥ जय २ जिसाक्षगु
ना ॥ सुदुष्टअटपामायानिता ॥ विश्वामध्यामाश्रिसर्वकर्ता ॥ तुचि
पाळीता जगस्वामी ॥५४॥ जय २ जीभवभंजना ॥ कर्दमनापुत्रनुज

(6)

पाळना ॥ मरवज्या लज्यानीवारणा ॥ रनुजदळनासर्वभ्यना ॥ ५५
॥ जय २ जिनमानमणा ॥ दुंदुभिपुत्रारा जिवनैना ॥ देवकीगर्भमा
जीसुरत्ना ॥ कक्ष्टणाघनानिनामरुपा ॥ ५६ ॥ ॥ जय २ जिमनमो
हना ॥ मनचित्ताद्ग्रामनरंजना ॥ सर्वसामर्थ्यपरिपुर्णा ॥ भक्तमुषना
जगद्गुरुय ॥ ५७ ॥ जय २ जिर्द्दीनाचरा ॥ ईदिनापाणिजगदीश्वरा:
द्वैदीरानेचाश्विर्द्दश्वांपना ॥ द्वैदीनाकनादीनबंधू ॥ ५८ ॥ जय ज
याजिघनश्यामळा ॥ चेनवानपाद्राद्ग्रापाळा ॥ गोपीवनधारीनमा
ळनिळा ॥ श्यामिसळासमर्थाजी ॥ ५९ ॥ जय २ जिथ्रघमंजना ॥ अ
म्लच्छघटनासनातना ॥ देवकीपुत्रारातीवनैना ॥ मधूसुदना द
याळुवा ॥ ६० ॥ जय २ जियदुनंदना ॥ कौंत्राकेत्रीयानिवंदना:
मातुळभगनीग्रानहानणा ॥ रनुजकाननासमुळांता ॥ ६१ ॥ अ

नामा
वळी

(6A)

॥.६०॥ जय२शिवभवभंजना ॥ मायानंगामनमोहना ॥ दनुजकाननी
चंडहुताशना ॥ आमनपाळनाजगत्पती ॥ ६१ ॥ जय२शिवजगव्याप-
का ॥ अगणीतब्रह्मांडींच्यानायका ॥ स्मरारीमीन्याडंभंजनका ॥
दारुणसकाळजगदुद्धरा ॥ ६२ ॥ जय२शिवहृद्रीवेश्वरा ॥ चीन्मयपर-
पापनमपुरुषा ॥ ब्रह्मस्वरूपाअविनाशा ॥ अगाधगुणाजगत्पती ॥
६३ ॥ जयत्रीपुरमर्दना ॥ अनंतपानीआब्धीशयानमणा ॥ सेवकज-
पानीश्रीरध्याध्वना ॥ जगन्मोहनाअनंतानतु ॥ ६४ ॥ जय२शिवकुकुने
श्वना ॥ गोदावेश्वराशिवजगोद्धारा ॥ अनाथनाथायाकरुणाकरा ॥ दया-
सागरादीनबंधु ॥ ६५ ॥.६॥ जय२शिवकूर्चनपाळा ॥ गीरिचरनेधारि
तमाच्छनिळा ॥ श्यामद्दौनीछ्छनश्यामळा ॥ दुर्गीनाचळाभेदकारा ॥
६६ ॥ जय२शिवरूपाधना ॥ अजेचकोशाग्रापिशिवना ॥ मायार-

स्तुती
स्तोमा

(७)

चिद्वंदइन्द्राना ॥ श्रीमीनदमना प्रकाशका ॥ ६४ ॥ जय २ जि कैवल्य
गर्भ ॥ संहारनकानकामायानाथा ॥ चिन्हाढग भिन्नमावल्लभा ॥ स्फा
नलीप्रकाशनेव प्रभु ॥ ६५ ॥ जय २ जि मायानेगा ॥ योगीमानेसत्रानो
अभ्रंगा ॥ चैतन्यचाळका निसंगसंगा ॥ व्यक्तसिजगा ६ हुनाथ
या ॥ ७० ॥ जय २ जि प्रद्योत्तना ॥ मायामय श्रीमीनदमना ॥ कर्मज
नकाच्यादेवार्चना ॥ समसारी ध्याना जगत्प्रभु ॥ ७१ ॥ : ७ : ॥ जय २
जि भवनिकंदना ॥ नरकेचारी दनुजदळना ॥ कर्मजनकारी प्रा
णाहारणा ॥ नरप्राणजीवना जगत्पती ॥ ७२ ॥ जय २ जि बंधु
करंधारका ॥ अमहत्रायोमि प्रतापअर्के ॥ ध्यानश्रीमीनसमुलो
नका ॥ शब्दोद्भवकादीन बंधु ॥ ७३ ॥ जय २ जि परमसुभगा ॥ अ
नुल्यकैवल्यस्वरूपा अनुगंगा ॥ व्यक्तसिजगा मायानंगा ॥ मुनेनजगा

" Joint project of the Rajawade Samshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

नामावळी

स्तुती स्तोत्र

(७अ)

उद्धरावया ॥ ७४ ॥ जय २ जिन दीनदयाळा ॥ सद्गुरु कलुसी दुरी
नास्यवेळा ॥ श्रीदुःखीयारीदारुर्पाळा ॥ प्राप्ती विमळा प्रदायका ॥ १
॥ जय २ जिन करुणाकरा ॥ मंगळमानस्थानी या ना ॥ सति
रिचेंद्राचका ना ॥ प्रमोदनीय कनाकानर तु ॥ १ धा. ७ ॥ जयजय
जिन ज्ञानमुर्ति ॥ सन्तसीतळ अप्रापती ॥ वेयनमचुना भुवनजो
ती ॥ व्यक्तसीद्रु मती मानाथ ॥ आ ॥ १ ॥ जय २ जिन विश्राम भुजा
मळय उत्पती प्रतीपाळीला ॥ अंद्रुज्ञी वासी सर्वगता ॥ तु स्थि
आस्थुतालोक चद्ध ॥ १८ ॥ जय २ जिन अनंद कंदा ॥ भ्रमभ्रं
श पापन मानंदा ॥ रूपेनपाळीसीनु जंतु वृंदा ॥ श्वकीयपदासमं
र्पिसी ॥ १९ ॥ जय २ जिन गधानका ॥ स्वछंद पीस्थ प्राणन स्ह
का ॥ धर्मकौश्लवाऱ्या पश्चयं जनका ॥ भक्तनसकादीन बंधु

(8)

॥८०॥ जय २ जि गुणार्णवा ॥ जनकृपाळका श्रीवासुदेवा ॥ अना
थबंधु दीनपुरुषाचा ॥ नक्षी केल्याचा मज लागो ॥८१॥ :छ: ॥:
जय २ जि भवभेदका ॥ त्रिभुवनशोकहरण नक्षेका ॥ कर्मपीडनापा
तका ॥ पदीपष्ठापका ज्ञान कानु ॥८२॥ जय २ जि अंबुजनेना ॥ :
आर्द्रवन तणाय शोकहार्णा ॥ पियो नविर्ये चोंग पाळना ॥ घोत्र
संताना नानी भंजका ॥८३॥ जय २ जि जन्मसुषना ॥ दुष्पाजि
मानीक करणा घना ॥ त्रिलोक जगती भुमानहार्णा ॥ होसीस
ज्यना तृष्णा सुनो ॥८४॥ जय २ जि पुंडरिकाक्षा ॥ चिनादेउद
नी कल्पवृक्षा ॥ कोन वपानी दरावदक्षा ॥ विश्राम पक्षा आपे
क्षीता ॥८५॥ जय २ जि भुवनसुंदरा ॥ कुमोदपानी जन्म घिहानाः
॥ राळकबंधु कना ॥ त्रिधना ॥ इंदीनावना जगद्गुरू ॥८६॥ :छ:

नामावळी

स्तुती स्तोत्र

(8A)

जय २ जि मेघःश्यामा ॥ आनंददानी कल्पद्रुमा ॥ वर्णिताना जि याअ
गाधमहीमा ॥ श्रुती नीगमा आगोचरा ॥ ८७ ॥ जय २ जि भव
मोचका ॥ पंडुर्याचै वारी नुकमानका ॥ मानुक भावनी भंजका
॥ दोष दुर्जनेका जगदुध्दारा ॥ ८८ ॥ जय २ जि मुरमर्दना ॥ कु
मानपीरक्ष्याप्राणजीवना ॥ भक्तजनकामनमोहना ॥ करुणा
घना दयाळुवा ॥ ८९ ॥ जय २ जि वृंदावनविहारी ॥ कनकस्तुरी गी
रीवरधारी ॥ दीनवत्सळ कामविकारी ॥ जयसागरीलानेवकनु:
॥ ९० ॥ जय २ जि कुकुनेंद्रा ॥ अनेकाना आनंदचंद्रा ॥ कामसैरी
हारवकंदा वासकारी ॥ ९१ ॥ जय २ जि श्वमुनीनामया
॥ नीर्गुनसाक्षी आत्मियारामा ॥ सच्चिदानंदानुनीनामया ॥ माया
विमायाकारकानु ॥ ९२ ॥ जय २ जि सर्वआगोचरा ॥ अमहेश्वर

Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan Mumbai joint project

पापनाशना ॥ येवल्यादानी निर्विकारा ॥ सद्बोधसागरा नाकळे नेणा
॥ ॥३॥ जय २ जिवभूत पाळा ॥ जगद्गामियाब्रह्मांडच्या ळा ॥ विश्व
रूढे कानमाळ नीळा ॥ दीन वत्सला गोविंदा नू ॥ ॥४॥ जय २ जि
पद्मनैनों ॥ पद्मनाभ पद्मवदना ॥ पद्महस्ता पद्मे त्राता ॥ ॥५
॥ जय २ जि जगन्मोत्रा ॥ ब्रह्मांडधामी पुण्यपवित्रा ॥ विश्वचा
कामायासुत्रा ॥ कर्मि जगन्नाथ विसा ॥ ॥६॥ ॐ ॥ जय २ जि
ह्रान काशीत्रा ॥ ईश्वर मनाजगन्निवासा ॥ पुर्णब्रह्म अव्यक्त प्रका
शा ॥ मायावेशा जगद्गुरु ॥ ७ ॥ जय २ जि मुदिन त्रामा ॥ अव्ये
न वस्तु आलक्ष धामा ॥ अलौकिक आसोनी जं नृपधर्मा ॥ ज्ञान सोवर्म
सर्वांचियां ॥ ॥८॥ जय २ जि टं कजनका ॥ चंद्रवक्र लोचने धारका
॥ अर्क जरीपुण्यप्राणा न सका ॥ जगपाळ का जगत्साना ॥ ॥९॥ जय २

नामा वळी

स्तुति स्तोत्र

(9A)

जिमधुसुदना॥ मध्यार्गुजयौं त्रामंडना॥ सात्वतेपतीनाजीवनैना॥:
नगधारणागुणार्णीचा॥१००॥ जयजय जिदुंदुभिपुत्रा॥ जगद्धामि॰
यापुण्यपवित्रा॥ विश्वचालकापायासुत्रा॥ श्वभुस्थानं त्राअनामी
या॥१॥ ॐ॥ जयजय जिमुदिनत्रामा॥ ॐ न. विश्रामाकै. पल्लवद्रुमा
॥ वणिनानुक्षियाआगाधमहिमा॥ श्रुतीनिगमाआगोचरा॥
२॥ जयजय जिकृ. कृ. नेंद्रा॥ ॐ न. चक्रपाणपाणचेंद्रा॥ ज्ञानमुनिंद्र पा
समुद्रा॥ हारच. जेद्रुवासकासी॥ ३॥ जयजय जिमधुसुदना॥ छ घ्मा
पतीप्राणजीवना॥ दात्रानक्षकोदयाधना॥ ॐ न. भूषनाजगद्गुरु
॥४॥ जयजय जिजगदोद्धारका॥ वै. वल्लभनमनापरमविहारा॥ द्भुज
कानिवेश्वान्नना॥ हानकापुनाविहारीया॥५॥ जयजय जिजगद्गु॰
रुय॥ जयसागरीनुएकनात्रय॥ रोणगितावस्नापंजत्रय॥ पतीनोद्धा

the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai; Joint project of

चरकानवतनु॥४॥६०॥जय२ जिनिष्कामकामा॥कमनीयमुर्त्तिमुदी
नद्रामा॥हजगणगोपीमनोनमा॥भुजगध्यापुनविता॥७॥जय२
जिमुक्रमर्द्दना॥अर्कजस्हदीकरुनदमना॥कौंद्राक्षानमुकनिकंद
ना॥दुंदुभिनंदनाजगदुद्धरे॥८॥जय२ जिजगदात्मका॥नाजोरछु
पकाकौंशजनका॥जनासदा [illegible] नका॥म्लेछभषकागुणा
या॥९॥जय२ जियदुपाळका॥अगणीतब्रह्मांचेचाळका॥भु
कुंदनायाज्ञानदायका॥भक्तजन [illegible] जगत्पती॥१०॥जय२ जिकृ
कुतेश्वना॥तनुजयिपनीयेथ्वा [illegible] ना॥जीनुनिसर्वहीमुक्ताना॥यो
सानीतनाअंगाचीसी॥११॥६०॥जय२ जिकृष्णकृनेंद्रा॥भक्तकुमोदा
अनंतश्चेंद्रा॥ज्ञानमुक्तिद्धपासमुद्रा॥सर्वविपींद्राजगदुद्धरा॥१२॥ज
य२ जियदुनाथविना॥मांगळमा [illegible] ननिवासा॥पयाब्धीतनया

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(10A)

प्राणेश्वरा ॥ वंदु कर धराजगत्पती ॥ १४ ॥ जय २ जि वीराजव
र्या ॥ दनुजयामिनी प्रजापसुर्या ॥ सद्गुणसंपन्ना ऐश्वर्या ॥ इच्छा
र्थकार्याकारकाजी ॥ १५ ॥ जय २ जि पद्ममपवित्रा ॥ मुद्दिन
द्रा माउलन्हेत्रा ॥ जगन्मोहना रमणारीत्रा ॥ मायाचिसुत्रा
चाळकाजी ॥ १६ ॥ जय २ जि पद्मनाभा ॥ अदकारणामुळारंभा
॥ निराटगर्भी जिमायानाभा ॥ स्कानसीप्रभानवप्रभु ॥ १ ॥ ध ॥ छः
॥ जय २ जिसच्चिदानंदा ॥ मन्मथजनकानेत्रार्विंदा ॥ मायाप
तीचेवत्सेवंदा ॥ श्रिगोविंदाजगद्गुरु ॥ १७ ॥ जय २ जि घनश्या
मळा ॥ दुनीलार्णविद्राद्रापाळा ॥ जीवोद्धुनकाळमाळनिळा ॥
दनुजकाळाश्रिपतीतु ॥ १८ ॥ जय २ जि तुसनातना ॥ अम्हवत्स
पापनीपुर्णा ॥ ज्ञाज्ञांवचौंड्राबुळमंडना ॥ स्मनारीजीवनादीनबं

मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com